विराट का भ्रम

प्र.1) किसने किससे कहा?

अ) आप राजकुमार की चिंता न करें।
कंक ने मतलब युधिष्ठिर ने राजा विराट से कहा।

आ) कौरव सेना तितर-बितर कर दी गई है।
दूत नें राजा विराट से कहा।

इ) चलो कंक से दो-दो हाथ गोपड़ खेल ले।
राजा विराट ने कंक और सैरंध्री से कहा।

ई) राजकुमार उत्तर बृहन्नला के साथ द्वार पर खड़े हैं।
द्वारपाल ने राजा विराट से कहा।

उ) पिता जी, इनको किसने यह पीड़ा पहुँचाई है?
राजकुमार उत्तर ने राजा विराट से पुछा।

ऊ) "बेटा बड़े वीर हो तुम!"
राजा वीराट ने राजकुमार उत्तर से कहा।

ए) राजन्! आपकी कन्या को मैं नाच और गाना सिखाता रहा हूँ।
अर्जुन ने राजा विराट से।

ऐ) कुंती-पुत्र! महाराज दुर्योधन ने हमें आपके पास भेजा है।
दुर्योधन के दुतों ने युधिष्ठिर से कहा।

ओ) देखा राजकुमार का शौर्य?
राजा विराट ने युधिष्ठिर से कहा।

प्र.2) दिए गए वाक्य सही है या गलत वह लिखें।

अ) राजकुमार उत्तर कौरवों से लड़ने गए थे। सही

आ) उत्तर युद्ध के लिए गए हैं यह सुनकर राजा चिंतीत हो उठे। सही
इ) राजकुमार के साथ नकुल सारथी बनकर गए थे। गलत
ई) राजकुमार उत्तर कौरवों से हार गए। गलत
उ) राजा विराट ने गुस्से में कंक पर पासे फेंक दिए। सही
ऊ) उत्तर के विजय के बारें में जानकर राजा विराट को बहोत आनंद हुआ। सही
ए) विराट ने फेका हुआ पासा युधिष्ठिर के आँख मे जाकर लगा। गलत
ऐ) युधिष्ठिर के मुँह से खून आते देख राजकुमार घबरा गए। सही
ओ) अर्जुन ने विराट से सारी सच बाते कह दी। सही
औ) दुर्योधन ने पांडवों को उनकी सारी संपत्ति दे दी। गलत

प्र.३) लिंग बदलो।
अ) स्त्री - पुरुष
आ) राजकुमार - राजकुमारी
इ) पिता - माता
ई) राजा - रानी
उ) पुत्र - कन्या
ऊ) दास - दासी

प्र.४) मुहावरों का अर्थ लिखें।
अ) आँखे फाड़कर देखना - आश्चर्य से देखना।
आ) मन चिंतीत होना - मन विचलित होना।
इ) फूले न समाना - प्रसन्न होना।
ई) बढ़ाई करना - बढ़ - चढ़ाके बाते बताना।
उ) चकित रह जाना - दंग रह जाना।
ऊ) क्षमा याचना करना - माफी माँगना।
ए) सेना तितर - बितर होना - चारों दिशाओं में भाग जाना।